SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Backyard & Small Livestock Farmer (Poultry, Goat, Pig, Apiculture, Sericulture)

एक बैकयार्ड/छोटा पोल्ट्री किसान अंडे, दूध और/या मांस उत्पादन के लिए घरेलू मुर्गे-मुर्गियों के साथ-साथ बकरी, सुअर जैसे जानवर पालता या उनकी देखभाल करता है। यह किसान रेशम उत्पादन (सेरीकल्चर) और मधुमक्खी कालोनियों के प्रबंधन...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6418

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

एक बैकयार्ड/छोटा पोल्ट्री किसान अंडे, दूध और/या मांस उत्पादन के लिए घरेलू मुर्गे-मुर्गियों के साथ-साथ बकरी, सुअर जैसे जानवर पालता या उनकी देखभाल करता है। यह किसान रेशम उत्पादन (सेरीकल्चर) और मधुमक्खी कालोनियों के प्रबंधन (मधुमक्खी पालन/एपीकल्चर) के लिए भी जिम्मेदार हो सकता है। यह कम पूंजी में शुरू किया जा सकने वाला और घर के आसपास ही किया जा सकने वाला आजीविका का एक भरोसेमंद ज़रिया है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	8वीं पास + 18 वर्ष आयु
एनएसक्यूएफ स्तर	लेवल 4
काम के घंटे	8-9 घंटे/दिन, 5-6 दिन/सप्ताह
आरंभिक वेतन	लगभग ₹7,000 - ₹10,000/माह

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों और जानवरों/पक्षियों की देखभाल में रुचि रखते हों।
- आपको बागवानी/कृषि कार्य करना और खुले वातावरण में काम करना पसंद हो।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों (थोक विक्रेताओं, पशु चिकित्सकों से बातचीत के लिए)।

क्षमताएँ

- काम करते समय विवरण पर ध्यान — चारा, टीकाकरण और साफ-सफाई का समय पर प्रबंधन।
- रोज़मर्रा के शारीरिक श्रम (सफाई, चारा ढोना, शेड बनाना) के लिए सहनशक्ति।
- पशुओं के स्वास्थ्य में बदलाव पहचानने और जल्दी कार्रवाई करने की क्षमता।

ज़रूरी कौशल

- पोल्ट्री/बकरी/सुअर पालन की बुनियादी पशुपालन तकनीकें
- चारा प्रबंधन व पोषण योजना

- टीकाकरण, रोग पहचान व बुनियादी पशु स्वास्थ्य देखभाल
- मधुमक्खी पालन (एपीकल्चर) या रेशम कीट पालन (सेरीकल्चर) की विशेष तकनीकें (यदि चुना गया क्षेत्र हो)
- बुनियादी लागत-आय हिसाब-किताब
- शेड/बाड़े का निर्माण व रखरखाव
- बाज़ार से जुड़ाव व उत्पाद बिक्री (अंडे, दूध, मांस, शहद, कोकून)

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 8वीं पूरी करें और 18 वर्ष की आयु पूरी करें।
2. NSDC/JSS केंद्र, RSLDC या कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) के माध्यम से NSQF लेवल 4 प्रशिक्षण के लिए नामांकन करें।
3. नज़दीकी KVK या पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में पोल्ट्री/बकरी/सुअर/मधुमक्खी पालन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण लें।
4. छोटे स्तर पर (5-10 पक्षी/पशु) शुरुआत करें और अनुभव के साथ धीरे-धीरे विस्तार करें।
5. सरकारी योजनाओं (जैसे पशुपालन विभाग की सब्सिडी योजनाएं) के तहत वित्तीय सहायता के लिए आवेदन करें।
6. थोक विक्रेताओं/स्थानीय मंडी से जुड़कर उत्पाद बेचना शुरू करें, या फार्म प्रबंधक की भूमिका की ओर बढ़ें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- कोई औपचारिक प्रवेश परीक्षा नहीं होती; एग्रीकल्चर सेक्टर स्किल काउंसिल (ASCI) द्वारा NSQF कौशल-आकलन किया जाता है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- NSDC – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — अखिल भारतीय (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — अखिल भारतीय (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/#/home/dptHome/403)
- कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), बीकानेर/उदयपुर/कोटा/भरतपुर/हनुमानगढ़ — राजस्थान (कई जिले) (https://hanumangarh1.kvk2.in/goat-farming-unit.php)
- राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (RAJUVAS) — बीकानेर, राजस्थान (https://rajuvas.ac.in/)

निजी संस्थान

- केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (CIRG) प्रशिक्षण पंजीकरण — मखदूम, उत्तर प्रदेश (राष्ट्रीय संस्थान) (https://www.cirg.res.in/registration)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)

फ़ीस

सरकारी KVK/NSDC/RSLDC प्रशिक्षण अधिकांशतः मुफ़्त होते हैं, और अक्सर पहली इकाई (शेड/चूजे/बकरी) के लिए सब्सिडी भी मिलती है। निजी संस्थानों की फीस कम ही होती है क्योंकि यह क्षेत्र सरकारी योजनाओं से भारी सब्सिडी प्राप्त करता है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) – ITI/वोकेशनल छात्रवृत्ति (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/व्यावसायिक प्रशिक्षण छात्रवृत्तियाँ (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- राष्ट्रीय पशुधन मिशन व पशुपालन विभाग सब्सिडी योजनाएं

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

बकरी पालन, मुर्गी पालन, सुअर पालन, सेरीकल्चर (रेशम उत्पादन) और मधुमक्खी पालन इकाइयां, घर के पिछवाड़े के फार्म।

कार्य-संस्कृति

रोज़ाना 8-9 घंटे, सप्ताह में 5-6 दिन काम, जो घर के पास ही किया जा सकता है। किसान थोक विक्रेताओं से सीधे अनुबंध कर सकते हैं और अपने उत्पाद सीधे बेच सकते हैं, जिससे उद्यमिता के मौके भी बनते हैं।

कौन नौकरी देता है

- स्वरोज़गार/अपना बैकयार्ड फार्म (सबसे आम मॉडल)
- किसान उत्पादक संगठन (FPO) व सहकारी समितियां
- स्थानीय मंडी/थोक विक्रेता (सीधे अनुबंध के जरिए)
- कृषि/बागवानी/पशुपालन विभाग व कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके)
- बड़े पोल्ट्री/डेयरी फार्म में सहायक/कर्मचारी
- राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) व राज्य पशुपालन विभाग की योजनाएं
- शहद व रेशम खरीदने वाली कंपनियां (एपीकल्चर/सेरीकल्चर उत्पाद)

माँग (2026)

ग्रामीण भारत और राजस्थान में बैकयार्ड पोल्ट्री व बकरी पालन कम पूंजी में शुरू होने वाली आजीविका का एक अहम स्रोत है, खासकर महिलाओं और छोटे किसानों के लिए। सरकार की राष्ट्रीय पशुधन मिशन जैसी योजनाएं और बढ़ती अंडे/मांस/दूध की मांग इस क्षेत्र में स्थिर अवसर बनाए रखती है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. किसान (बैकयार्ड/छोटा फार्मर)
2. फार्म प्रबंधक (स्तर 5)

कमाई

शुरुआत	₹7,000 - ₹10,000/माह
मध्य स्तर	₹10,000 - ₹15,000/माह (विस्तारित इकाई के साथ)
वरिष्ठ स्तर	₹20,000+/माह (फार्म प्रबंधक/बड़ी इकाई)

सरकारी NCS डेटा के अनुसार शुरुआती आय ₹7,000 - ₹10,000/माह है; यह पूरी तरह इकाई के आकार (पक्षियों/पशुओं की संख्या) पर निर्भर करता है — अपना फार्म बढ़ाने और सीधे बिक्री करने से आय काफी अधिक हो सकती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कम पूंजी में घर के पास ही शुरू किया जा सकने वाला व्यवसाय, जिसमें सरकारी सब्सिडी भी मिलती है।
- उद्यमिता के मौके — थोक विक्रेताओं से सीधे अनुबंध और उत्पाद बेचना संभव।
- महिलाओं व दिव्यांगजनों समेत परिवार के सभी सदस्यों के लिए सुलभ काम।

चुनौतियाँ

- शुरुआती आय बहुत कम होती है और मौसम/बीमारी से पशुधन को नुकसान का जोखिम रहता है।
- रोज़ाना शारीरिक श्रम और साफ-सफाई की मांग होती है, छुट्टी लेना मुश्किल होता है।
- बाज़ार भाव में उतार-चढ़ाव से आय अस्थिर हो सकती है।

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

यान सिंह (Yan Singh)

पोल्ट्री किसान, बरमाड़ी गांव, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

यान सिंह बरमाड़ी गांव के रहने वाले हैं। एक भयानक दुर्घटना के बाद वे दिहाड़ी मजदूरी करने में असमर्थ हो गए और उनके परिवार को कठिनाई का सामना करना पड़ा। उन्होंने कृषि प्रशिक्षण योजना में रुचि दिखाई और सुंदरनगर में मुर्गी पालन का 7-दिवसीय प्रशिक्षण लिया। सरकारी वित्तीय सहायता से उन्होंने हवादार शेड बनाया, चूजे और चारा खरीदा, और अपना पोल्ट्री फार्म शुरू किया। इससे मिली आय ने उन्हें भविष्य में पोल्ट्री पालन को अपने प्रोफेशन के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, और उनकी सफलता ने कई अन्य परिवारों को भी इस पेशे की ओर आकर्षित किया।

MANAGE (Ministry of Agriculture & Farmers Welfare) · https://www.manage.gov.in/cfa/successstories/Success%20Story%20of%20Sh.%20Yan%20Singh%20a%20Poultry%20Farmer%20from%20Kullu,%20Himachal%20Pradesh%20%20%E2%80%93%20Dr.%20Randhir%20Singh,%20Veterinary%20Officer,%20Kullu,%20HP.pdf

अनीता एम. (Anitha M.)

एकीकृत कृषि किसान (डेयरी, बकरी व बैकयार्ड पोल्ट्री सहित), बेट्टमपाडी गांव, दक्षिण कन्नड़, कर्नाटक

अनीता एम. एक आदिवासी महिला किसान हैं जो 4.5 एकड़ ज़मीन पर एकीकृत खेती करती हैं, जिसमें डेयरी पशु, बकरी पालन और गिरिराजा नस्ल सहित बैकयार्ड पोल्ट्री शामिल है। वर्मीकम्पोस्ट व गोबर के उपले बनाकर वे अतिरिक्त आय भी कमाती हैं। इस मिश्रित मॉडल से वे सालाना लगभग ₹7 लाख कमाती हैं। उन्होंने 400 किसानों को सलाह दी है और 6 किसानों को बकरी पालन शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जिसके लिए उन्हें ज़िला स्तरीय महिला किसान पुरस्कार भी मिल चुका है।

Krishi Jagran · https://krishijagran.com/success-story/this-tribal-woman-earns-over-rs-7-lakh-through-integrated-farming-system-know-her-story/

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस पोर्टल — किसान: बैकयार्ड/छोटे पोल्ट्री किसान — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%95%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a1-%e0%a4%9b%e0%a5%8b%e0%a4%9f%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%8d/

2. कृषि विज्ञान केंद्र, हनुमानगढ़ — बकरी पालन इकाई — https://hanumangarh1.kvk2.in/goat-farming-unit.php

3. राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (RAJUVAS) — https://rajuvas.ac.in/

4. यान सिंह की सफलता की कहानी — MANAGE — https://www.manage.gov.in/cfa/successstories/Success%20Story%20of%20Sh.%20Yan%20Singh%20a%20Poultry%20Farmer%20from%20Kullu,%20Himachal%20Pradesh%20%20%E2%80%93%20Dr.%20Randhir%20Singh,%20Veterinary%20Officer,%20Kullu,%20HP.pdf

5. अनीता एम की कहानी — Krishi Jagran — https://krishijagran.com/success-story/this-tribal-woman-earns-over-rs-7-lakh-through-integrated-farming-system-know-her-story/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in